नईदुनिया

सेबी अध्यक्ष ने बोर्ड के भीतर हितों के टकराव के संबंध में पारदर्शिता पर दिया जोर

मुंबई/नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए अध्यक्ष तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को एक ऐसी व्यवस्था लेकर आने का वादा किया, जिसमें सेबी बोर्ड के सदस्यों के लिए हितों के टकराव के बारे में जनता को बताना जरूरी होगा।

पांडेय ने सेबी बोर्ड के भीतर हितों के टकराव के संबंध में पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया है।

तुहिन कांत पांडेय ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पारदर्शिता सेबी के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए पूंजी बाजार नियामक अब अपने कर्मचारियों के हितों के टकराव का खुलासा करेगा।

सेबी के प्रमुख का पद संभालने के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में में सेबी के अध्यक्ष ने कहा कि पारदर्शिता के दृष्टिकोण से ऐसा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृद्धि की रफ्तार कायम रखने के लिए घरेलू और विदेशी, दोनों प्रकार की पूंजी की जरूरत है।

सेबी प्रमुख ने कहा कि इस तरह के कदमों से सेबी को समूचे परिवेश का भरोसा हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, हम अपनी खुद की योजना के साथ आगे आएंगे ताकि अधिक पारदर्शिता के साथ हितों के टकराव आदि को जनता के सामने उजागर किया जा सके।

पांडेय ने कहा, मुझे लगता है कि भरोसा और पारदर्शिता का मसला सेबी तक भी जाता है। हमें न केवल सभी हितधारकों का भरोसा अपने ऊपर बनाना है, बल्कि उस भरोसे को बनाए भी रखना है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारतीय शेयर बाजार से बढ़ती निकासी को लेकर चिंता के बीच सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक उनके परिचालन को नियंत्रित करने वाले नियमों को और अधिक तर्कसंगत बना रहा है।

न्यूज ब्रीफ

शेयर बाजार में 2 दिन से जारी तेजी थमी, उतार चढ़ाव के बीच सपाट स्तर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 2 दिन से जारी तेजी शुक्रवार को थमती हुई नजर आई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद शेयर बाजार सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। निफ्टी ने 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया। दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑयल एंड गैस, मेटल, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ के कारोबार का अंत किया।

इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल पर 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर उपलब्ध होगा जीपीयू: वैष्णव

नई दिल्ली। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि देश में एआई के लिए अनुकूल हालात बनाने के लिए इंडियाएआई मिशन की पहली वर्षगांठ पर एक ऐतिहासिक पहल की गई है। इस मिशन के अंतर्गत, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल छात्रों, स्टार्टअप, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी विभागों को 67 रुपये प्रति घंटे की दर से जीपीयू, क्लाउड स्टोरेज और अन्य एआई सेवाओं तक पहुंच प्रदान करेगा। वैष्णव ने इस उपाय को इंडिया के अपने आधारभूत मॉडल को विकसित करने के लिए किया जा रहा नवाचार बताया है। उन्होंने बताया कि इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल का उपयोग भारत के इस आधारभूत मॉडल के लिए किया जा रहा है जो अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे है। केंद्रीय मंत्री ने इस उपाय की कोई संलग्न कोष नहीं होने का भी उल्लेख किया और यह बताया कि यह लाभप्रद नीति सरकार के मिशन का एक बड़ा घटक है। इस ऐतिहासिक पहल के साथ ही, सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने इस मौके पर भारत में एआई को लागू करने और उपयाग करने के तरीकों में सुधार करने का भी संकल्प जताया। इसके अलावा, मंत्रलय ने एआई और सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों के लिए एक योग्यता ढांचा और इंडिया एआई स्टार्टअप्स ग्लोबल एक्सेलेरेशन कार्यक्रम भी शुरू किया। इस प्रकार, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल की यह पहल स्टार्टअप्स, एप्लिकेशन डेवलपर, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई। जियोस्टार 1,100 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रही है। इसकी प्रमुख कंपनी वायाकॉम18 का वॉल्ट डिज्नी के साथ नवंबर, 2024 में विलय हो गया था। इससे कुछ विभागों में कर्मचारियों की संख्या ज्यादा हो गई थी। हालांकि, निकाले जाने वालों को छह महीने से एक साल तक का वेतन दिया जाएगा। विलय के बाद पुनर्गठन के तहत कंपनी में छंटनी की शुरुआत फरवरी से शुरू हुई है, जो जून तक चलेगी। कंपनी वितरण, फाइनेंस, कॉमर्शियल और कानूनी विभाग में गैर जरूरी लोगों को निकालेगी। अगर कोई कर्मचारी एक साल पहले कंपनी में आया है तो उसे एक महीने का पूरा वेतन मिलेगा। इसी हिसाब से बाकी कर्मचारियों को भी मिलेगा। एक से तीन महीने का नोटिस होगा। विलय के बाद ये जियो देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क बन गया है। यह सौदा 70,352 करोड़ रुपये में हुआ था। डिज्नी-रिलायंस एंटरटेनमेंट के पास अब 75 करोड़ दर्शक हो गए हैं।

आरईआईटी ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

6200 करोड़ रुपये के आईपीओ लाने के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई/नई दिल्ली

सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन के संयुक्त उद्यम नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (आरईआईटी) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरपीएच) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इश्यू के जरिए 6,200 करोड़ रुपये जुटाने की है, जो भारत का सबसे बड़ा आरईआईटी आईपीओ होगा। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट के प्रायोजक ब्लैकस्टोन और सत्व डेवलपर्स ने संयुक्त रूप से आईपीओ लाने के लिए मसौदा पत्र दाखिल किया है। सत्व समूह और ब्लैकस्टोन के बीच एक संयुक्त उद्यम आरईआईटी ने अपने डीआरएचपी में कहा कि इसका लक्ष्य आरंभिक सार्वजनिक निर्गम से 6,200 करोड़ रुपये तक जुटाना है, जो देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट लिस्टिंग हो सकती है।

सेबी के पास जमा दस्तावेज के मुताबिक नेट ऑपरेटिंग इनकम (एनओआई) और ग्रॉस एसेट वैल्यू (जीएवी) के मामले में यह आरईआईटी भारत का सबसे बड़ा होगा। आरईआईटी में ब्लैकस्टोन की 55 फीसदी हिस्सेदारी होगी, जबकि शेष हिस्सेदारी सत्व की होगी। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में लिस्टिंग के समय का खुलासा नहीं किया गया है। शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट भारत का पांचवां सूचीबद्ध आरईआईटी होगा। ड्राफ्ट पेपर्स में साझा किए गए विवरण के मुताबिक इसका कुल लीज योग्य क्षेत्रफल 48 मिलियन वर्ग फीट होगा, जो एशिया में दूसरा सबसे बड़ा होगा। आरईआईटी की 95 फीसदी संपत्तियां शीर्ष तीन भारतीय कार्यालय बाजारों मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में केंद्रित हैं। आरईआईटी के पोर्टफोलियो का 90 फीसदी हिस्सा पट्टे पर है, जिसमें 76 फीसदी किराएदार बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं। आरईआईटी में शामिल कुछ संपत्तियां मुंबई में वन बीकेसी, वन इंटरनेशनल सेंटर और वन वर्ल्ड सेंटर हैं।

कंपनी के मुताबिक यह भारत का सबसे बड़ा रियल्टी इक्विटी ट्रस्ट (आरईआईटी) होगा, जिसका नाम नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट रखा गया है। इश्यू की बिक्री से प्राप्त आय का उपयोग मुख्य रूप से ऋण चुकाने के लिए किया जाएगा। 6,200 करोड़ रुपये के कुल निर्गम आकार में से 5,800 करोड़ रुपये का उपयोग बकाया ऋण के आंशिक या पूर्ण पुनर्भुगतान या कुछ परिसंपत्ति विशेष प्रयोजन वाहनों और निवेश संस्थाओं के ऋण के पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा।

लेंसकार्ट ने दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया, तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया

हैदराबाद। विश्वस्तरीय आईवियर उत्पादक कंपनी लेंसकार्ट ने हैदराबाद के बाहरी इलाके तुक्कुगुडा में दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर फैक्ट्री का शिलान्यास किया। इस महा योजना के लिए तेलंगाना सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस फैक्ट्री में फ्रेम, लेंस और आईवियर बनाने की प्रक्रिया एक साथ होगी। यह यूनीकार्न स्टार्टअप लेंसकार्ट की दूसरी फैक्ट्री है और यह चाहती है कि उसकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो। इस प्रोजेक्ट से 2,100 से अधिक नौकरियां बढ़ेंगी और इसके अंत में हर दिन 2 लाख से अधिक चश्मे बनेंगे। यह तेलंगाना सरकार के और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच किया गया रणनीतिक सहयोग है। इस निवेश से तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक आकर्षक स्थान मिलेगा और राज्य के उद्यामिता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। कंपनी का कहना है कि हैदराबाद की फैक्ट्री अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी। इसमें ऑटोमेशन का उच्च स्तर होगा। कंपनी के मुताबिक इससे उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर होगी। साथ ही, यह उनकी आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत करेगा। इससे दुनिया भर में उच्च गुणवत्ता वाले आईवियर की आपूर्ति आसान होगी। चश्मे की यह बड़ी फैक्ट्री तेलंगाना सरकार और गुरुग्राम स्थित लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक रणनीतिक सहयोग का परिणाम है। तेलंगाना सरकार ने इस प्रोजेक्ट को कर्नाटक से अपनी ओर खींच लिया था। सरकार का कहना है कि यह निवेश तेलंगाना को वैश्विक उद्योगों के लिए एक पसंदीदा जगह बनाता है। यह राज्य में उन्नत विनिर्माण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देगा।

डीपीआईआईटी और मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने विनिर्माण, सड़क सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और मर्सिडीज-बेंज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में नवाचार, स्थिरता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस एमओयू पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत कुमार जारंगल और मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य तकनीकी उत्कृष्टता प्राप्त करने और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में स्टार्टअप, इनोवेटर्स और उद्यमियों का समर्थन करना है। मंत्रालय ने कहा कि इस एमओयू के तहत मर्सिडीज-बेंज इंडिया स्टार्टअप्स को बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, फंडिंग तक पहुंच और बाजार संपर्क प्रदान करके समर्थन देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ मिलकर काम करेगी। यह साझेदारी भारत सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल के अनुरूप है, जो उभरते इनोवेटर्स और उद्यमियों की व्यापक पहुंच और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक यह सहयोग संरचित कार्यक्रम बनाने पर केंद्रित होगा, जो स्टार्टअप को बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, वित्तपोषण के अवसर और बाजार संपर्क प्रदान करेगा। यह पहल अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी सुगम बनाएगी और दीर्घकालिक प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान को सुनिश्चित करेगी।इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि मर्सिडीज-बेंज इंडिया के साथ साझेदारी भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है, साथ ही जिम्मेदार और टिकाऊ नवाचारों को बढ़ावा देना है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने इस सहयोग के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और उन्नत विनिर्माण के कंपनी के फोकस क्षेत्रों के साथ सरेखित है। उन्होंने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी फंडिंग के माध्यम से मर्सिडीज-बेंज इंडिया सार्थक सामाजिक प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए इनक्यूबेटर और संस्थानों के साथ मिलकर काम करेगी।

एसआईपी खातों के समय से पहले बंद होने की दर 48 फीसदी

घरेलू म्युचुअल फंड उद्योग में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के पंजीकरण में तेजी से वृद्धि के बावजूद एसआईपी खातों को समय से पहले बंद करने की दर भी बढ़ रही है। साल 2023 में 3.48 करोड़ नए एसआईपी पंजीकरण हुए लेकिन 2024 के अंत तक इनमें से केवल 1.82 करोड़ एसआईपी खाते सक्रिय रहे, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पंजीकरण के दो साल के भीतर लगभग 48 फीसदी एसआईपी खाते बंद हो गए। इसके मुकाबले, 2022 में पंजीकरण हुए 2.57 करोड़ एसआईपी खातों में से 42 फीसदी 2023 के आ?खिर तक बंद हो गए थे। ये आंकड़े एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया की मासिक रिपोर्ट से प्राप्त हुए हैं। एसआईपी के बारे में उद्योग और निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लाभ को देखते हुए, 3 साल से अधिक के निवेश को बरकरार रखना आदर्श माना जाता है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया है। सोना 470 रुपये से लेकर 510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये से लेकर 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये से लेकर 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से भारतीय बाजार के लिए कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका में पिछले सत्र के दौरान लगातार गिरावट का रुख बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ नीति में बदलाव किया है। उन्होंने मैक्सिको और कनाडा के साथ हुए पुराने समझौते के तहत आयात होने वाले सामान पर 2 अप्रैल तक टैरिफ नहीं वसूलने का फैसला किया है। डोनाल्ड ट्रंप की लगातार बदलती टैरिफ नीति के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उलझन की स्थिति बनी रही। इस वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बड़ी गिरावट के शिकार हो गए।

डाउ जॉन्स 427.51 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,579.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 104.11 अंक यानी 1.78 प्रतिशत टूट कर 5,738.52 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 483.84 अंक यानी 2.61 प्रतिशत फिसल कर 18,068.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,630.86 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,682.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.29 प्रतिशत उछल कर 8,197.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 338.45 अंक यानी 1.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,419.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 779.30 अंक यानी 2.07 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 36,925.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 130.40 अंक यानी 0.57 प्रतिशत फिसल कर 22,585.03 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.22 प्रतिशत टूट कर 2,570.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,604.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,919.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 135.09 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,504.80 के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,192.40 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.55 प्रतिशत उछल कर 6,654.53 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 3,381.33 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।